प्रश्नपत्र तृतीय : अर्धमागधी एवं प्राकृत – अपभ्रंश कवि

100 अंक

इकाई एक – 20 अंक

आचारांगसूत्र (प्रथम श्रुत – स्कन्ध) (10+10 अंक)

नवां अध्ययन उवधान सूत्र की व्याख्या एवं प्रथम व द्वितीय अध्ययन की समीक्षा

इकाई दो – 20 अंक

उत्तराध्ययन सूत्र – 20 अंक

(1) विनय अध्ययन (1 से 48 गाथाएं)

(2) नमिप्रवज्या (1 से 62 गाथाएं)

(3) केशी गौतम अध्ययन का मूल्यांकन

इकाई तीन – 20 अंक

आगम कथा ग्रन्थ एवं सर्वेक्षण

1– नायाधम्मकहा–पांचवां थावच्चापुत अध्ययन एवं सातवां रोहिणी अध्ययन – 10 अंक

2– अर्धमागधी आगम साहित्य का सर्वेक्षण – 10 अंक

इकाई चार – 20 अंक

अर्धमागधी प्राकृत भाषा का सोदाहरण विवेचन, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के प्रमुख नियम एवं उदाहरण।

अभिनव प्राकृत–व्याकरण पृष्ठ 409 से 430 के सम्बन्धित अंश

NOT FOR SALE
FOR OFFICE USE ONLY

इकाई पाँच – 20 अंक

प्राकृत एवं अपभ्रंश के प्रमुख कवि (10+10 अंक)

(क) महाकवि हाल, विमलसूरि, संघदासगणि, वट्टकेर, शिवार्य, आचार्य जिनदत्तसूरि, नेमिचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती, देवेन्द्रगणि।

(ख) स्वयम्भू, पुष्पदन्त, वीरकवि धनपाल, रइधू आदि के योगदान एवं उनके ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1 प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीशचन्द जैन

2 जैन साहित्य का वृहत् इतिहास – भाग 1

3 उत्तराध्ययन – एक समीक्षात्मक अध्ययन – आचार्य तुलसी

4 प्राकृत काव्य सौरभ (1975) – डॉ. प्रेम सुमन जैन

5 आगमयुग का जैन दर्शन– पं. दलसुख मालवणिया

6 जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा – देवेन्द्र मुनि शास्त्री

7 आयारो– जैन विश्व भारती लाडनू (राज)

8 उत्तराध्ययनसूत्रा, तेरापंथ महासभा, कलकत्ता

9 भविसयत्तकहा एवं अन्य अपभ्रंश कथा काव्य – डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री

10 प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास